एशिया में केज-फ्री ट्रांज़िशन की सबसे बड़ी कमी: 2025 Tracker कॉर्पोरेट पारदर्शिता में मौजूद चिंताजनक खामियों को उजागर करता है

Jakarta, 26 दिसंबर 2025 – एशिया की खाद्य प्रणाली इस समय एक निर्णायक दौर से गुज़र रही है। पूरे क्षेत्र में कंपनियाँ अपने 2025 के केज-फ्री प्रतिबद्धताओं की समय-सीमा का सामना कर रही हैं। गति तो साफ़ तौर पर बढ़ती दिख रही है, लेकिन जो प्रगति पहली नज़र में दिखाई देती है, वह ज़मीनी स्तर पर हो रही वास्तविक स्थिति से कटी हुई नज़र आती है।
इस साल का Asia Cage-Free Tracker इसी असंगति को स्पष्ट रूप से सामने लाता है। 2025 संस्करण में भारत, इंडोनेशिया, जापान, मलेशिया और थाईलैंड की 95 खाद्य कंपनियों का आकलन किया गया है, जिससे यह तस्वीर उभरती है कि क्षेत्र आगे तो बढ़ रहा है, लेकिन अलग-अलग रफ्तारों से और पारदर्शिता के बहुत अलग स्तरों के साथ। ये पाँचों बाज़ार एशिया की अंडा अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और मिलकर केज-फ्री सामग्री तक वैश्विक पहुँच को आकार देते हैं। इनकी प्रगति या उसकी कमी ही यह तय करेगी कि बहुराष्ट्रीय ब्रांड अपने पशु कल्याण संबंधी प्रतिबद्धताओं को पूरा कर पाएँगे या नहीं, और यह भी कि लाखों मुर्गियाँ पिंजरों में बंद ही रहेंगी या बेहतर कल्याण वाली प्रणालियों की ओर बदलाव शुरू होगा।

पूरे एशिया में कंपनियाँ अब उपभोक्ताओं की बढ़ती अपेक्षाओं, वैश्विक ब्रांड्स के दबाव और पशु कल्याण से जुड़े मुद्दों की बढ़ती समझ के प्रति प्रतिक्रिया देना शुरू कर रही हैं। लेकिन Tracker यह भी दिखाता है कि सहभागिता बढ़ने के बावजूद, ज़मीनी स्तर पर क्रियान्वयन उसी रफ्तार से आगे नहीं बढ़ रहा है। अब 70.5% कंपनियाँ अपनी प्रगति के बारे में किसी न किसी स्तर पर जानकारी साझा कर रही हैं, जो 2024 में 69.8% से थोड़ा ही अधिक है, और एशिया की वैश्विक अंडा सप्लाई चेन में भूमिका को देखते हुए यह अब भी नाकाफ़ी है। लगभग एक तिहाई यानी 29.5% कंपनियों ने अब तक कोई सार्वजनिक अपडेट जारी ही नहीं किया है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि केवल 14.7% कंपनियाँ ही पूरी तरह केज-फ्री हैं या 2025 के अंत तक अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने की राह पर हैं, जबकि कई कंपनियाँ यह बदलाव कई साल पहले करने का वादा कर चुकी थीं।

वैश्विक अंडा अर्थव्यवस्था में एशिया की केंद्रीय भूमिका इस धीमी प्रगति को और भी चिंताजनक बना देती है। यह क्षेत्र दुनिया के अधिकांश व्यावसायिक अंडों का उत्पादन करता है। Thailand अंडों और प्रोसेस्ड सामग्री का एक प्रमुख निर्यातक है, जिसकी सप्लाई चेन एशिया से कहीं आगे

तक फैली हुई है। Indonesia और Malaysia घरेलू और क्षेत्रीय सप्लाई की स्थिरता को आकार देते हैं। India अंडा पाउडर और प्रोसेस्ड सामग्री में अपनी मौजूदगी लगातार बढ़ा रहा है और अंतरराष्ट्रीय मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को आपूर्ति कर रहा है। Japan, जो प्रति व्यक्ति अंडा खपत के मामले में दुनिया के शीर्ष देशों में शामिल है, मांग पूरी करने के लिए बड़े पैमाने पर आयात पर निर्भर करता है। इसी आपसी जुड़ाव के कारण एशिया में केज-फ्री प्रणालियों की ओर बदलाव की रफ्तार यह तय करेगी कि वैश्विक ब्रांड अपनी प्रतिबद्धताएं पूरी कर पाएँगे या नहीं।

फिर भी क्षेत्र के बड़े हिस्से में बैटरी केज आज भी उत्पादन की डिफ़ॉल्ट व्यवस्था बने हुए हैं। मुर्गियाँ अपना पूरा जीवन A4 शीट से भी छोटी जगहों में बिताती हैं, जहाँ वे न तो अपने पंख पूरी तरह फैला पाती हैं, न घोंसला बना पाती हैं, न बैठ सकती हैं, न धूल-स्नान कर पाती हैं और न ही अपने स्वाभाविक व्यवहार व्यक्त कर पाती हैं। गंभीर कल्याण संबंधी चिंताओं के चलते European Union, Canada और New Zealand जैसे क्षेत्रों में इन प्रणालियों पर प्रतिबंध लगाया जा चुका है या इन्हें धीरे-धीरे समाप्त किया जा रहा है। लेकिन एशिया में, बढ़ते कॉर्पोरेट वादों के बावजूद, यह संक्रमण अब भी धीमा और असमान बना हुआ है।

2025 Tracker कंपनियों को नौ स्तरों में रैंक करता है, जिससे स्पष्ट रूप से यह सामने आता है कि कौन आगे है और कौन काफ़ी पीछे छूट रहा है। Aman Resorts, Capella Hotel Group, Illy Caffè, Lotus Bakeries, Shake Shack, Starbucks, Pizza Marzano और The Cheesecake Factory जैसे ब्रांड्स एशिया में पूरी तरह क्रियान्वयन हासिल कर चुके हैं, जो यह दिखाता है कि केज-फ्री सोर्सिंग न केवल संभव है, बल्कि बड़े पैमाने पर लागू भी की जा सकती है। वहीं Bali Buda, Groupe Holder, Groupe Savencia, IKEA, Pizza Express और ViaVia Restaurant सहित कुछ अन्य कंपनियों ने पुष्टि की है कि वे 2025 के अंत तक अपना बदलाव पूरा कर लेंगी।

इसी समय, Tracker उन कंपनियों की ओर भी ध्यान दिलाता है जो अब तक अस्पष्ट या अनुत्तरदायी बनी हुई हैं। 33 कंपनियाँ केवल वैश्विक स्तर की प्रगति की जानकारी देती हैं, लेकिन एशिया-विशिष्ट विवरण साझा नहीं करतीं, जिससे क्षेत्रीय क्रियान्वयन का आकलन करना असंभव हो जाता है। वहीं 28 कंपनियाँ ऐसी हैं जो कोई भी सार्वजनिक रिपोर्टिंग बिल्कुल नहीं करतीं। पारदर्शिता की यह कमी उपभोक्ताओं के भरोसे को कमजोर करती है और पूरे क्षेत्र की समग्र प्रगति को धीमा कर देती है।

देशों के बीच अंतर इस बिखरे हुए परिदृश्य को और स्पष्ट रूप से दिखाते हैं।

- Indonesia में भाग लेने वाली कंपनियों की संख्या सबसे अधिक है, लेकिन क्रियान्वयन में निरंतरता नहीं है।
- India में रिपोर्टिंग मज़बूत दिखाई देती है, लेकिन ब्रांड्स के बीच अमल का स्तर काफ़ी भिन्न है।
- समीक्षा किए गए सभी बाज़ारों में Japan की पारदर्शिता दर सबसे कम है।
- Thailand में सहभागिता ठोस है, लेकिन उन्नत स्तर का क्रियान्वयन सीमित बना हुआ है। Malaysia में भागीदारी लगातार बढ़ रही है, फिर भी अधिकांश कंपनियों में अब तक क्षेत्र-विशिष्ट खुलासों की कमी है।

ये असमानताएँ सप्लाई चेन के विकास, सामग्री की उपलब्धता और स्थानीय बाज़ार की तैयारियों में मौजूद अंतर को दर्शाती हैं।

सहभागिता सेक्टर के अनुसार भी अलग-अलग है। रेस्टोरेंट, कैफ़े और हॉस्पिटैलिटी समूह भाग लेने वाली कंपनियों का सबसे बड़ा हिस्सा बनाते हैं, जबकि मैन्युफैक्चरर्स, जो वैश्विक स्तर पर इस्तेमाल होने वाली प्रोसेस्ड अंडा सामग्री के लिए बेहद अहम हैं, सबसे असमान प्रगति दिखाते हैं। यह असंतुलन खास तौर पर इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि सामग्री निर्माता यह सुनिश्चित करने में केंद्रीय भूमिका निभाते हैं कि केज-फ्री प्रतिबद्धताएं वास्तव में उपभोक्ताओं तक पहुँचने वाले उत्पादों में बदल सकें।

बढ़ती गति के बावजूद, Tracker यह स्पष्ट रूप से सामने लाता है कि एशिया के केज-फ्री संक्रमण में पारदर्शिता अब भी सबसे अहम कड़ी के रूप में गायब है। स्पष्ट, विश्वसनीय और सत्यापन योग्य रिपोर्टिंग के बिना न तो वास्तविक प्रगति को सही तरह से मापा जा सकता है, न प्रमुख रुकावटों की पहचान संभव है, और न ही यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि कॉर्पोरेट प्रतिबद्धताएं फ़ार्म पर ठोस और अर्थपूर्ण बदलावों में बदल सकें।

जैसे-जैसे 2025 की समय-सीमाएँ नज़दीक आ रही हैं, कंपनियों से अपेक्षा की जा रही है कि वे विस्तृत अपडेट जारी करें, एशिया-विशिष्ट समय-सीमाएँ साझा करें, आगे के कदमों को स्पष्ट करें और ज़मीनी स्तर पर हुए वास्तविक क्रियान्वयन का दस्तावेज़ीकरण करें। पूरे एशिया में उपभोक्ता अब यह जानने को लेकर अधिक सजग हैं कि उनका भोजन कैसे तैयार किया जाता

है, और जो कंपनियाँ इन अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतरतीं, वे न केवल आम जनता बल्कि वैश्विक साझेदारों और निवेशकों का भरोसा खोने का जोखिम उठाती हैं।

“हम कुछ हलचल तो देख रहे हैं, लेकिन वह ज़रूरी रफ्तार से काफ़ी पीछे है,” रिपोर्ट की लेखिका और Asia की Corporate Accountability Lead, Nurkhayati Darunifah ने कहा। “आने वाला साल बेहद अहम है। जो कंपनियाँ अपडेट देने में देरी करती हैं या जानकारी साझा नहीं करतीं, वे पारदर्शिता और ज़िम्मेदार सोर्सिंग को लेकर बढ़ती अपेक्षाओं के बीच पीछे छूटने का जोखिम उठाती हैं।”

एशिया का खाद्य क्षेत्र इस समय एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। आने वाले वर्ष में लिए गए फैसले यह तय करेंगे कि यह क्षेत्र पशु कल्याण के मामले में वैश्विक नेतृत्व की भूमिका निभाएगा या फिर अंतरराष्ट्रीय प्रगति के रास्ते में एक बड़ी बाधा बनकर रह जाएगा।

एक बात साफ़ है कि केवल पारदर्शी रिपोर्टिंग, जवाबदेह प्रतिबद्धताओं और सार्थक क्रियान्वयन के ज़रिए ही कंपनियाँ ऐसे खाद्य तंत्र की ओर बदलाव ला सकती हैं, जहाँ किसी भी मुर्गी को पिंजरे में बंद न रहना पड़े।

Sinergia Animal आगे भी प्रगति की निगरानी करता रहेगा, कंपनियों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ा रहेगा और ऐसे भविष्य का समर्थन करता रहेगा, जहाँ पूरे एशिया में मुर्गियाँ पिंजरों से मुक्त जीवन जी सकें और क्षेत्र भर के उपभोक्ताओं को ज़िम्मेदारी, पारदर्शिता और करुणा पर आधारित खाद्य प्रणालियों तक पहुँच मिल सके।

Media contact
Valaiporn Chalermlapvoraboon
Communications - Sinergia Animal (Thailand)
Email: vchalermlapvoraboon@sinergiaanimal.org

Farah Ayu Fadila
Communications Lead - Indonesia
Email: ffadhila@sinergiaanimal.org

Corporate Accountability
Nurkhayati Darunifah
Corporate Accountability Lead Asia
Email: ndarunifah@sinergiaanimal.org